B- यह सभ्यता नष्ट कैसे हुई

आकस्मिक ह्रास के सिद्धान्त

विद्वानों ने हड़प्पा सभ्यता के विनाश के विभिन्न उत्तर दिये है कुछ विद्वानों ने इसके अन्त को नाटकीय बताया है और आकस्मिक विपत्ती के ऐसे साक्ष्य खोज है जिससे शहरी समुदायो का सत्यानाश हो गया। ह० सभ्यता के ह्रास से सम्बन्धित कुछ सिद्धान्त इस प्रकार है ———

(a) बाढ़ और भूकम्प

[i] ह० सभ्यता के ह्रास के लिये विद्वानो ने जो कारण बताये है उनमें उन्होने मोहनजोदड़ो मे बाढ़ आने के साक्ष्य को शामिल किये है। प्रमुख खुदाई करने वालो के अभिलेखों तक पता चलता है कि मोहनजोदड़ो में रिहाइश को विभिन्न अवधियों में अत्यधिक बाढ़ के साक्ष्य मिले है यह निष्कर्ष इस तथ्य से निकाला जा सकता है कि मोहनजोदड़ो के मकानों और सड़को पर इसके लम्बे इतिहास मे अनेक बार किचड़ युक्त मिट्टी भरी पड़ी थी और टूटे हुए भवनों को सामग्री और मलवा भरा पड़ा था। लगता है कि कीचड़ युक्त यह मिट्टी उस बाढ़ के पानी के साथ आयी जिस पानी मे सड़के और मकान डुब गये थे बाढ़ का पानी उतर जाने के बाद मोहनजोदड़ो के निवासी ने पहले के मकानों के मलवे के उपर फिर से मकान और सड़के बना ली इस प्रकार की भयंकर बाढ़ और मलवे के उपर पुन: निर्माण का सिलसिला कम से कम तीन बार चला।

[ii] रिहायसी क्षेत्र मे खुदायी से पता चलता है कि 70 Ft उचाई तक रिहायसी तलों का सिलसिला था। आवासी क्षेत्र मिट्टी भर जाने के कारण अलग थलग हो गये थ आज के भूतल से 80 Ft उचाई तक कई स्थानो पर मिट्टी के ढेर मिले है इस प्रकार,

कई विद्वानों का विश्वास है कि ये मोहनजोदड़ो के विनाशकारी बाढ़ आने के साक्ष्य हैं इन बाढ़ों के कारण अपने पूरे इतिहास काल में शहर बार, बार अस्थायी रूप से वीरान हुआ और फिर बसा

[III] यह बाढ़ भयंकर थी यह इस बात से प्रमाणित होता है कि नदी के मिट्टी के ढेर आज के भूतल से 80 ft ऊंचाई तक मिले हैं। जिसका अर्थ है कि बाढ़ का पानी उस क्षेत्र में इस ऊंचाई तक पहुंचा मोहनजोदड़ो के हड़प्पा निवासी इन बार-2 आने वाली बाढ़ों का मुकाबला करने में हिम्मत हार गये एक अवस्था ऐसी आयी जब कंगाल हड़प्पा निवासी और सहन न कर सके और इन बस्तियों को छोड़कर चले गये।

[IV] भयंकर बाढ़ के सिद्धान्त का विख्यात जल वैज्ञानिक Raikes रेइक्स ने समर्थन किया है। उनका मत है कि ऐसी बाढ़ जो बस्ती के भूतल से 30 ft ऊंचे भवनों को छू सकती थी सिन्धु नदी में सामान्य बाढ़ आने का परिणाम नहीं हो सकती उनका विश्वास है कि हड़प्पा सभ्यता का ह्रास भयंकर बाढ़ के कारण हुआ जिससे सिन्धु नदी के तट पर स्थित नगर बहुत समय तक डूबे रहे उन्होंने बताया।

[V] Raikes महोदय ने पुनः कहा है कि भूआकृति विज्ञान की दृष्टि से यह क्षेत्र अशांत भूकम्प क्षेत्र है भूकम्प से हो सकता है कि निम्न सिन्धु नदी के बाढ़ मैदानों का स्तर ऊँचा हो गया हो और समुद्र का मार्ग अवरुद्ध हो गया हो इससे सिन्धु नदी में पानी इकट्ठा होने लगा हो और ऐसे झील का निर्माण हो गया व जहां कभी सिन्धु नदी के शहर आबाद थे और इस प्रकार, नदी के बढ़ते हुए पानी के स्तर में मोहनजोदड़ो जैसा शहर डूब गया हो।

[VI] हम जानते हैं कि कराची के पास बालाकोट और मकरान तट पर सुतकागेंडोर और सुत्काकोह जैसे स्थान हड़प्पावासियों के समुद्र तट थे लेकिन आज ये समुद्र तट से दूर स्थित हैं। ऐसा सम्भवतः उक्त भूकम्प के कारण समुद्रतट

के भूमी के उत्थान के परिणाम स्वरूप हुआ हो।

[vii] कुछ विद्वानों का मत है कि ऐसे उत्थान दूसरी सहस्त्राब्दी ई॰पू॰ में किसी समय हुए इस उग्र भूकम्प से नदियों के मार्ग अवरुद्ध हो गये और ~~शहर~~ ~~[illegible]~~ जल गये तथा ह॰ सभ्यता नष्ट हो गयी व॰ क्योंकि अंतिम समय के कुछ शहरों के जल जाने के भी प्रमाण मिले है इससे नदी पर आधारित तथ्य संचार नष्ट हो गया है।

[viii] ह॰ सभ्यता के महाभयंकर विनाश के ~~[illegible]~~ विचार कई विद्वानों को मान्य नही है H.T. Lambrick के कहना है कि यह विचार की एक नदी भूकम्पीय उत्थानों से इस प्रकार अवरुद्ध हो जाएगी, निम्नलिखित दो कारणों से सही नही है। —

[i] यदि किसी भूकम्प से अनुप्रवाह कारक कृत्रिम बन्द बन भी गया था, तो भी सिन्धु नदी के अत्यधिक मात्रा में जल से वह आसानी से टूट गया होगा।

[ii] ~~[illegible]~~ परिकल्पित झील में पानी के उठे हुए तल के साथ अगर गाद जमा हो गयी थी तो वह नदी के पिछले मार्ग के तल के साथ जमा होती। इस प्रकार मोहनजोदड़ो की गाद बाढ़ के कारण ~~[illegible]~~ नही हुई थी।

(b) सिन्धु नदी का मार्ग बदलना।

(1) H.T. Lambrick के अनुसार सिन्धु सभ्यता के विनाश के कारण सिन्धु नदी के मार्ग में परिवर्तन हो सकता है सिन्धु नदी एक अस्थिर नदी तन्त्र है जो अपना तल बदलता रहता है स्पष्टतः सिन्धु नदी मोहनजोदड़ो से लगभग 30 Mil दूर चली गयी ~~व~~ शहर और आस पास के खाद्यान्न उत्पादक गांवों के लोग इस क्षेत्र से चले गये क्योंकि वे पानी के लिए तरस गये थे मोहन॰ के इतिहास में ऐसा अनेक बार हुआ, शहर में देखी गई गाद वास्तव में हवा के कारण इकट्ठी हुई है क्योंकि हवा से बड़ी मात्रा में रेत और गाद उड़कर यहां आयी जिसे गलती से बाढ़ से उत्पन्न गाद मान लिया गया है।

2. इस सिद्धान्त से भी हड़प्पा सभ्यता के पूर्णतः ह्रास के कारण स्पष्ट नही होते अधिक से अधिक यह सिद्धान्त मोहनजोदड़ो का विनाश हो जाना स्पष्ट करता है और यदि मोहनजोदड़ो के निवासी नदी के मार्ग ने

इस प्रकार के बदलाव से पता चलता है कि वे स्वयं ही किसी नयी बस्ती में जाकर क्यों नहीं बस सकते थे और मोहनजोदड़ो जैसा दूसरा शहर क्यों नहीं बसा सकते थे

Scanned with CamScanner